हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किसान मेला का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 20 फरवरी 2017 को संस्थान परिसर, पंथाघाटी, शिमला में किसान मेला का आयोजन किया गया, जिसमें शिमला तथा सिरमौर जिला के लगभग 50 किसानों ने भाग लिया । किसान मेले का उद्घाटन **श्री शमशेर सिंह नेगी**, प्रधान मुख्य अरण्यपाल, हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने किया तथा उनके साथ **डॉ. वी.आर.आर. सिंह, अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल,** हिमाचल प्रदेश वन विभाग विशिष्ट-अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ।

डॉ. वी. पी. तिवारी, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों तथा मेले में भाग लेने आये किसानों का स्वागत किया तथा कहा कि वर्तमान में वानिकी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसख्या एवं विकासात्मक कार्यों से प्राकृतिक वनों पर बढ़ते दबाव के कारण भारत सरकार तथा राज्य सरकारें कृषि के साथ-साथ वानिकी को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे । निदेशक ने कहा कि हिमालयन वन अनुसन्धान

निदेशक महोदय द्वारा अतिथियों का स्वागत

संस्थान शिमला वानिकी के सभी पहलुओं पर अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार की आवश्यकता आधारित आयोजन, प्रोत्साहन, संचालन एवं समन्वयन करके वानिकी अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है । संस्थान जलवायु परिवर्तन, जैवविविधता संरक्षण, मरुस्थलीकरण को रोकना और संसाधनों का प्रबंध एवं विकास सहित इस सेक्टर में उभर रहे विषयों के अनुरूप समाधान आधारित वानिकी अनुसंधान पर कार्यरत है। संस्थान सामयिक अनुसंधान प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से संबंधित चुनौतियों का सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए, वन प्रबंधकों एवं शोधार्थियों की क्षमता में लोगों के विश्वास को बढ़ावा दे रहा है। इसके साथ-साथ संस्थान द्वारा किए जा रहे वानिकी अनुसंधान के परिणामों को हितिधारकों तक पहुँचाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है । किसान मेले का आयोजन भी इसी दिशा में किया जा रहा एक प्रयास है । अपने संबोधन में उन्होंने मुख्य अतिथि महोदय का अपने व्यस्ततम कार्यक्रम में इस अवसर पर पधारने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया ।

निदेशक द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत	समूह समन्वयक द्वारा विशिष्ट अतिथि का स्वागत

किसान मेले का शुभारम्भ करते हुए, **श्री नेगी** ने बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला को किसान मेला आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि वैसे तो किसान मेले में अधिकतर कृषि, बागवानी तथा सब्जियों की खेती के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है परन्तु भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, जो कि वन

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत संस्था है, ने अपने क्षेत्रीय संस्थानों के माध्यम से कृषि तथा बागवानी के साथ-साथ वानिकी को बढ़ावा देने हेतु, किसानों को प्रोत्साहित करने का बीड़ा उठाया है । आज इसी कड़ी में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है जिसमे कृषि तथा बागवानी के साथ-साथ किसानों को वानिकी से सम्बंधित गतिविधियों को अपना कर किस प्रकार किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है, के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी ।

मुख्य अतिथि द्वारा संबोधन

विशिष्ट अतिथि द्वारा संबोधन

वर्तमान समय में वानिकी के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए श्री नेगी ने कहा कि **भारत में वानिकी** एक प्रमुख ग्रामीण आर्थिक क्रिया, ग्रामीण लोगों के जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पहलू और एक ज्वलंत पर्यावरणीय और सामाजिक-राजनैतिक मुद्दा होने के साथ ही पर्यावरणीय प्रबंधन और विकास हेतु अवसर उपलब्ध करने वाला क्षेत्र भी है । आर्थिक योगदान के अलावा वन संसाधनों का महत्व इसलिए भी है कि ये हमें बहुत से प्राकृतिक सुविधाएँ प्रदान करते हैं जिनके लिये हम कोई मूल्य नहीं प्रदान करते और इसीलिए इन्हें गणना में नहीं रखते। उदाहरण के लिये हवा को शुद्ध करना और सांस लेने योग्य बनाना एक ऐसी प्राकृतिक सेवा है जो वन हमें मुफ़्त उपलब्ध करते हैं और जिसका कोई कृत्रिम विकल्प इतनी बड़ी जनसंख्या के लिये नहीं है। वनों के क्षरण से जनजातियों और आदिवासियों का जीवन प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है और बाकी लोगों का

अप्रत्यक्ष रूप से क्योंकि भारत में ग्रामीणों की पूरी जीवन शैली वनों पर आश्रित है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस आयोजन के दौरान संस्थान तथा अन्य संस्थाओं से आये वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को जो महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी उससे किसान लोग अवश्य ही लाभान्वित होंगे तथा वानिकी क्षेत्र विशेषकर औषधीय पौधों तथा फूलों की खेती, इत्यादि को अपनाने से किसान को आय में वृद्धि का अन्यत्र साधन मिलेगा । अंत में श्री नेगी ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना की तथा वन विभाग की ओर संस्थान को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया ।

डॉ. वी.आर.आर. सिंह, अतिरित्क प्रधान मुख्य अरण्यपाल, हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने भी बतौर विशिष्ट अतिथि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए तथा संस्थान की तकनीकों की जमीन तक पहुँचाने के लिए किसान मेल के महत्त्व पर अपने विचार प्रकट किए ।

डॉ. कुलराज सिंह कपूर, समूह समन्वयक अनुसंधान, हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला ने किसान मेले में आये अतिथियों का धन्यवाद किया तथा आशा व्यक्त की किसान अवश्य ही मेला के दौरान होने वाले वार्तालाप से किसान अवश्य ही लाभान्वित होंगे ।

किसान मेला आयोज के दौरान **डॉ. लाल सिंह, निदेशक,** हिमालयन रिसर्च ग्रुप, शिमला ने किसान उन्मुख प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा **श्री मेला राम,** प्रगतिशील किसान, खटनोल, जिला शिमला ने एक प्रगतिशील किसान के रूप में अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए। **डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक** ने औषधीय पौधों की खेती से आय वृद्धि, **श्री जगदीश सिंह, वैज्ञानिक ने** औषधीय पौधों की अंतर फसल (इंटरक्रॉपिंग), **डॉ. मनीष शर्मा, वैज्ञानिक ने** सब्जियों की खेती तथा **श्रीमती शीतल देवडे, सहायक प्रबंधक,** यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया ने बैंक द्वारा किसानों को उचित दरों पर उपलब्ध करवाए जाने वाले कृषि ऋण तथा अन्य सुविधाओं के बारे महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई ।

डॉ. लाल सिंह - निदेशक, हिमालयन रिसर्च ग्रुप

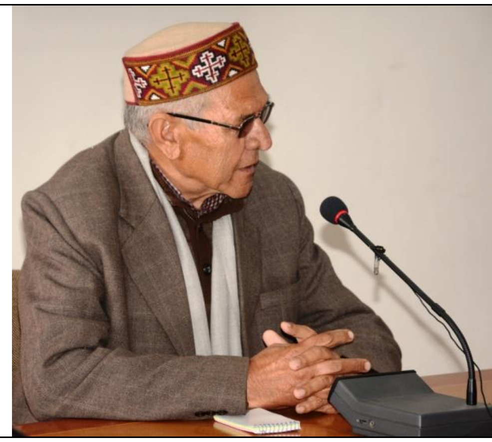

श्री मेला राम - प्रगतिशील किसान

डॉ. मनीष शर्मा, वैज्ञानिक, यू.एच.ऍफ़., नौणी

श्रीमती शीतल देवडे, सहायक प्रबंधक, यूनियन बैंक

श्री जगदीश सिंह, वैज्ञानिक, हि.व.अ.सं

डॉ. संदीप शर्मा, वैज्ञानिक, हि.व.अ.सं.

कार्यक्रम के अंत में किसानों तथा वैज्ञानिकों के साथ एक प्रतिपुष्टि/ फीडबैक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों द्वारा किसानों के प्रश्नों के उत्तर तथा उनके समस्याओं के समाधान हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए । किसानों ने वन विभाग तथा संस्थान से बंदरों तथा दूसरे जंगली जानवरों द्वारा उनकी फसलों को पहुचाये जा रहे नुकसान के बारे अवगत करवाया तथा इस दिशा में कोई ठोस तथा कारगार नीति बनाने की ओर ध्यान आकर्षित किया । इसके साथ-साथ औषधीय तथा फूलों की खेती तथा व्यापार पर भी विस्तृत चर्चा की गई ।

किसान मेला की झलकियां

किसान मेला
हि.व.अ.सं.
HFRI

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

मीडिया कवरेज

किसान मेला एचएफआरआई में किसान मेले का आयोजन, किसानों और वैज्ञानिकों ने किए अनुभव साझा

औषधीय पौधों के गुण, वानिकी के लाभ भी बताए

सिटी रिपोर्टर | शिमला

पंथाघाटी स्थित एचएफआरआई परिसर में सोमवार को किसान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें शिमला तथा सिरमौर जिला के लगभग 50 किसानों ने भाग लिया। किसान मेले का उद्घाटन मुख्य अरण्यपाल प्रदेश वन विभाग शमशेर सिंह नेगी ने किया तथा उनके साथ अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. वीआरआर सिंह भी उपस्थित रहे। एचएफआरआई के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों तथा मेले में भाग लेने आए किसानों का स्वागत किया तथा कहा कि वर्तमान में वानिकी में वानिकी की प्रासंगिकता बढ़ गई है। बढ़ती जनसंख्या एवं विकासात्मक कार्यों से प्राकृतिक वनों पर बढ़ते दबाव के कारण भारत सरकार तथा राज्य सरकारें कृषि के साथ-साथ वानिकी को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एचएफआरआई सभी पहलुओं पर कार्य कर रही है। यहां पर हो रहे रिसर्च आमजन तक पहुंच सके इसके लिए कार्य किए जा रहे हैं। किसान मेले के आयोजन भी इसी दिशा में किया जा रहा एक प्रयास है।

मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में एचएफआरआई को किसान मेला के आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि वैसे तो किसान मेला में अधिकतर कृषि, बागवानी तथा सब्जियों की खेती के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है परंतु भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून ने अपने क्षेत्रीय संस्थानों के माध्यम से कृषि तथा बागवानी के साथ-साथ वानिकी को बढ़ावा देने के लिए, किसानों को प्रोत्साहित करने का बीड़ा उठाया है। इसी कड़ी में एचएफआरआई की ओर से किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है। अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल डॉ. वीआरआर सिंह ने अपने संबोधन में वानिकी को बढ़ावा देने के लिए तथा संस्थान की तकनीकों की जमीन तक पहुंचाने के लिए किसान मेले के महत्व पर अपने विचार प्रकट किए।

किसान मेला आयोजन के दौरान हिमालयन रिसर्च ग्रुप के निदेशक डॉ. लाल सिंह ने किसान उन्मुख प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रगतिशील किसान खटनोल मेला राम ने अपने अनुभव साझा किए, वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा ने औषधीय पौधों की खेती से आय वृद्धि, वैज्ञानिक जगदीश सिंह ने औषधीय पौधों की अंतर फसल (इंटरक्रॉपिंग), वैज्ञानिक डॉ. मनीष शर्मा ने सब्जियों की खेती तथा सहायक प्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शीतल देवडे ने बैंक द्वारा किसानों को उचित दरों पर उपलब्ध करवाए जाने वाले कृषि ऋण तथा अन्य सुविधाओं के बारे महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई।

एचएफआरआई में किसान मेले के दौरान मौजूद किसान।

किसान मेले का आयोजन

शिमला, 20 फरवरी। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला की ओर से किसान मेला का आयोजन किया गया। संस्थान परिसर पंथाघाटी शिमला में आयोजित इस मेले में शिमला तथा सिरमौर जिला के लगभग 50 किसानों ने भाग लिया। किसान मेला का उद्घाटन, शमशेर सिंह नेगी, प्रधान मुख्य अरण्यपाल, हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने किया। उनके साथ डा. वीआरआर सिंह, अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल भी उपस्थित रहे। डॉ. वीपी तिवारी निदेशक हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मुख्यातिथि, अन्य अतिथियों तथा मेले में भाग लेने आए किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान में वानिकी की प्रासंगिकता बढ़ गई है। बढ़ती जनसंख्या एवं विकासात्मक कार्यों से प्राकृतिक वनों पर बढ़ते दबाव के कारण भारत सरकार तथा राज्य सरकारें कृषि के साथ-साथ वानिकी को बढ़ावा देने का कार्य कर रही हैं। निदेशक ने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान, शिमला वानिकी के सभी पहलुओं पर अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार की आवश्यकता आधारित आयोजन प्रोत्साहन, संचालन एवं समन्वयन करके वानिकी अनुसंधान का वास्तविक विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्थान वैश्विक चिंताओं जैसे जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, मरुस्थलीकरण को रोकना और संसाधनों का पोषणीय प्रबंध एवं विकास सहित इस सेक्टर में उभर रहे विषयों के अनुरूप समाधान आधारित वानिकी अनुसंधान करती है।

किसान मेले में लोगों को दी जानकारी

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान की ओर से सोमवार को पंथाघाटी स्थित परिसर में किसान मेला करवाया गया।

मेले में शिमला तथा सिरमौर जिले के लगभग 50 किसानों ने भाग लिया। मेले का उद्घाटन प्रधान मुख्य अरण्यपाल एसएस नेगी ने किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने कहा कि वर्तमान में वानिकी की प्रासंगिकता बढ़ गई है बढ़ती जनसंख्या एवं विकासात्मक कार्यों से प्राकृतिक वनों पर बढ़ते दबाव के कारण भारत सरकार तथा राज्य सरकारें कृषि के साथ साथ वानिकी को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है।

मेले में एपीसीसीएफ डॉ. वीआरआर सिंह, संस्थान के समूह समन्वयक डॉ. केके कपूर, हिमालयन रिसर्च ग्रुप शिमला के निदेशक डॉ. लाल सिंह मौजूद रहे। ब्यूरो

पंथाघाटी में कृषि पर की चर्चा

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने किसान मेले का किया आयोजन

■ दिव्य हिमाचल ब्यूरो, शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा सोमवार को संस्थान परिसर पंथाघाटी में किसान मेले का आयोजन किया गया। इसमें शिमला तथा सिरमौर जिला के लगभग 50 किसानों ने भाग लिया। किसान मेले का उद्घाटन, शमशेर सिंह नेगी, प्रधान मुख्य अरण्यपाल, हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने किया। इस दौरान डा. वीआरआर सिंह, अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल भी उपस्थित रहे। निदेशक हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान डा. वीपी तिवारी ने मुख्यातिथि व मेले में भाग लेने आए किसानों का स्वागत किया। बढ़ती जनसख्या एवं विकासात्मक कार्यों से प्राकृतिक वनों पर बढ़ते दबाव के कारण भारत सरकार तथा राज्य सरकारें कृषि के साथ-साथ वानिकी को बढ़ावा देने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान, शिमला वानिकी के सभी पहलुओं पर अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार की आवश्यकता आधारित आयोजना, प्रोत्साहन, संचालन एवं समन्वयन करके वानिकी अनुसंधान का वास्तविक विकास कर रही है। इस अवसर पर श्री नेगी ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला को किसान मेले के आयोजन पर बधाई दी। किसान मेले के आयोजन के दौरान डा. लाल सिंह, निदेशक, हिमालयन रिसर्च ग्रुप, शिमला ने किसान उन्मुख प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मेला राम प्रगतिशील किसान खटनोल ने एक प्रगतिशील किसान के रूप में बहुमूल्य अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में किसानों तथा वैज्ञानिकों के साथ एक प्रतिपुष्टि/फीडबैक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों ने किसानों के प्रश्नों के उत्तर दिए व उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव दिए।

दिव्य हिमाचल Tue, 21 February 2017
epaper.divyahimachal.com//c/17012005

शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा पंथाघाटी में आयोजित किसान मेले के शुभारंभ पर मौजूद लोग

दिव्य हिमाचल Tue, 21 February 2017
epaper.divyahimachal.com//c/17012075

किसानों ने सीखे आय वृद्धि के नुस्खे

शिमला, 20 फरवरी (सिंगटा): शिमला के हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में किसान मेले का आयोजन हुआ। इसमें किसानों ने वैज्ञानिकों से आय वृद्धि के नुस्खे सीखे। उन्हें वैज्ञानिकों के साथ सीधा संवाद करने का भी मौका मिला। किसानों ने मेले में किसानों से जुड़े अपने अनुभव भी सांझा किए। इसका शुभारंभ प्रधान मुख्य अरण्यपाल शमशेर सिंह नेगी ने किया। मेले में शिमला और सोलन के किसानों सहित करीब 50 किसानों ने भाग लिया। इस मौके पर संस्थान के निदेशक वी.पी. तिवारी ने कहा कि वर्तमान में वानिकी की प्रासंगिकता बढ़ गई है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 21 February 2017
epaper.punjabkesari.in//c/1701065